

FORM No. III

Crime-I

फर्द अहकाम

(नियम 26)

आज अदालत...सहायक कलेक्टर, मुकाम...खीवसर...

किरण मुकदमा...राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 53,88,188 आर टी एक्ट

हड़मानराम बनाम जीताराम

मु नं 3/2021 सन् 2021

दिनांक	तुल्य या कार्यवाही पय इतिविषयका जज	नम्बर व तारीख अहकाम की तारीख में जारी हु
16.07.2021		

विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी ने प्रतिवादीगण के विरुद्ध राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 53,88,188 आरटीएक्ट के तहत प्रस्तुत किया । वाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को नोटिस जारी हो। पत्रावली दिनांक 02.09.2021 को पेश हो।

*(Signature)*  
सहायक कलेक्टर  
खीवसर

21/9/21

उभयपक्षकारान के विद्वान अधिवक्ता उपस्थित/अनुपस्थित। प्रकरण को लोक अदालत में रैफर करने हेतु दोनों पक्ष सहमत है अतः प्रकरण लोक अदालत में रैफर किया जाता है पक्षकारान दि 28/11/21 को लोक अदालत में उपस्थित हो।

*(Signature)*  
अधीक्षक  
लोक अदालत  
खीवसर

28/11/21

उक्त प्रकरण आज राजस्व लोक अदालत प्रशासन गांवों के संग अनियाम-2021, कैम्प कोर्ट ग्राम पंचायत 23 में पेश हुआ। उपस्थित पक्षकारान को प्रकरण में राजीनामा करने हेतु समझाया गया। पक्षकारों के मध्य प्रकरण में राजीनामा हेतु सहमति नहीं हो पाई। अतः प्रकरण पुनः न्यायालय में दिनांक 18-1-22 को पेश हो।

*(Signature)*  
पीठाधीन अधिकारी  
प्र.प्र.के.अ. 2021  
उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर

18/1/22 /पक्षकारान के अधिवक्ता

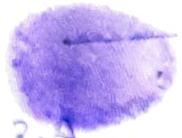
पीठाधीन अधिकारी की मीटिंग में प्रमाण/स्थानान्तरण हो चुका है / अवकाश पर गये हुए है। पत्रावली उनके समक्ष दिनांक 19/4/22 परमल हो।

19/4/22 पत्रावली पेश करने की तारीख में /

पत्रावली पेश करने की तारीख में /  
पत्रावली पेश करने की तारीख में /  
पत्रावली पेश करने की तारीख में /  
पत्रावली पेश करने की तारीख में /

21/7/22

20/11/20  
 भारतीय प्रजासत्ताक  
 गैरसरकारी आयोग  
 अध्यापक/सहायक अध्यापक/अधीनस्थ शिक्षक/अधीनस्थ शिक्षिका  
 शिक्षण विभाग, दिल्ली




तबील वाली शंभु वाली के निवेदन पर  
 पत्रावली आज तबील वाली के निवेदन

आ. प्रशासनिक वाली ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर निवेदन  
 किया कि हम उच्च कोटि के शिक्षक  
 विशेष स्वरूप रखना चाहते हैं। तबील  
 वाली शंभु वाली ने आ. पत्र पेश कर बताया  
 कि हम प्रशासनिक के अधिकारी नामा हो गया है  
 हम अब हम अपने घर को आगे चलाना  
 नहीं चाहते हैं। हम अपने विशेष स्वरूप रखना  
 चाहते हैं।

आ. वाली के प्रार्थना पत्र स्वीकार किया  
 गया, वाली के आ. प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत  
 पर उच्च कोटि के आगे चलाने का कोई आश्वासन  
 प्रतीत नहीं होता है। तबील वाली एवं वाली के  
 निवेदन / प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत उच्च कोटि के  
 अर्थात् विशेष स्वरूप दिया जाय है।

पत्रावली केवल कुमार देवर नामक लेखक  
 द्वारा तैयार किया गया है।

  
 सहायक कलक्टर  
 (एस.डी.ओ.) बीकानेर